पाठशालाएँ आयोजित की जाती है। भवन है, तो शिक्षक नहीं है। कई-कई कक्षाओं पर एक शिक्षक होता है । वह क्या पढ़ा पाएगा? सर्दी और बरसात के मौसम में विद्यालय की छुट्टी हो जाती है। बिहार में कई गाँव ऐसे हैं, जहाँ की स्थिति इसी प्रकार की है। केन्द्र के शिक्षा-बजट से जो राशि आवंटित की जाती है, वह पर्याप्त रूप से वहाँ नहीं पहुँच पाती है, जो इसका लक्ष्य है। परिणामस्वरूप विद्यालय अभी भी जर्जर स्थिति में हैं। सह शिक्षा विद्यालयों में बालकों और बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालयों की व्यवस्था नहीं है।

अतः मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करता हूँ कि शिक्षा के मद में जो बजटीय प्रावधान किए जाएँ, उनमें बिहार-जैसे पिछड़े राज्यों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि गाँव के सबसे गरीब व्यक्ति को भी शिक्षित किया जा सके और उसे देश की आर्थिक प्रगति से जोड़ा जा सके। धन्यवाद।

श्रीमती सुप्रिया सुले (महाराष्ट्र)ः महोदय, मैं अपने आपको इस विशेष उल्लेख से सम्बद्व करती हूँ।

श्री समन पाठक (पश्चिमी बंगाल)ः महोदय, मैं अपने आपको इस विशेष उल्लेख से सम्बद्व करता हूँ।

डा0 वरुण मुखर्मी (पश्चिमी बंगाल)ः महोदय, मैं भी अपने आपको इस विशेष उल्लेख से सम्बद्व करता हूँ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Shobhana Bhartia. She is not here. Shri Amar Singh. He is also not here.

Concern over bad condition of BSNL mobile service in Kannauj, U.P,

श्री बृजभूषण तिवारी (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति महोदय, गुरसहायगंज, जिला कन्नौज (उत्तर प्रदेश) में BSNL की मोबाइल सेवा की खराब स्थिति के बारे में इस सदन में पहले भी विशेष उल्लेख के माध्यम से मामला उठाया गया था। सरकार ने एक वर्ष पहले यह जवाब दिया था कि गुरसहायगंज में जल्दी ही एक बेस ट्रांसीवर स्टेशन स्थापित किया जायेगा। उसके पश्चात् मंत्रालय ने फरवरी , 2007 के एक पत्र में यह कहा कि उक्त बेस स्टेशन वर्तमान वर्ष में ही स्थापित कर दिया जाएगा, परन्तु अभी तक गुरसहायगंज में मोबाइल फोन सर्विस को बेहतर बनाने के लिये कोई कार्यवाही नहीं की गई है। गुरसहायगंज से 6 किलोमीटर दूर समधन में लगे बेस ट्रांसीवर स्टेशन से ही गुरसहायगंज में कमजोर सिग्नल प्राप्त होते है और ज्यादातर सिग्नल मिलता ही नहीं है। यदि गुरसहायगंज में बेस स्टेशन स्थापित करने की योजना सरकार ने पहले से बना रखी है , जैसा कि सरकार ने अपने उत्तर में कहा था, तो उक्त स्टेशन को स्थापित करने में अब अनावश्यक विलंब क्यों किया जा रहा है?

महोदय। मैं पुनः आग्रह करूंगा कि गुरसहायगंज (कन्नौज) में BSNL की मोबाइल फोन सेवा को बेहतर एवं सुचारू रूप से चलाने के लिए वहां पर बेस ट्रांसीवर स्टेशन स्थापित करने की योजना पर शीघ्र अमल किया जाए, जिससे क्षेत्र की जनता को इस फोन सेवा का लाभ मिल सके। धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Rajeev Shukla. He is not here. Shri Shantaram Laxman Naik. He is also not here.

Demand for revival of Saraswati river to Combat Water Scarcity

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़)ः उपसभापति महोदय, स्वर्गीय मोरोपंत पिंगले के समान प्रसिद्व इतिहासज्ञ एवं राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त डा0 वाकणकर के समान पुरातत्वों के प्रयासों तथा आधुनिक उपकरोण की सहायता से लुप्त सरस्वती के उद् गम एवं प्रवाह मार्ग को अंकित किया गया है। हाल में सिरसा (हरियाणा) में विषय पर आयोजित सेमीनार को वहां के सिंचाई मंत्री ने भी संबोधित किया है। विद्वानों डा0 कल्याणरमन तथा जिआलाजिकल सर्वे के पूर्व डायरेक्टर पुरी ने सरस्वती के उद्गम के ग्लेसियर्स को रेखांकित किया। यह कहा गया है कि सरस्वती और यमुना को जोड़ने से छह से अधिक राज्यों की जल समस्या सुलझेगी एवं इससे 25,000 से अधिक मेगावाट बिजली उत्पन्न करने की संभावना भी बताई गई है।

मेरा सरकार से आग्रह है कि उपरोक्त के प्रकाश में सरस्वती शोध को केन्द्रीय प्रकल्प के रूप में गाठित किया जाये ताकि अनेक राज्यों की जल व बिजली की समस्या को हल करने में प्रकृति प्रदत्त समाधान का शीध्रता से उपयोग हो सके। धन्यवाद।

श्री रुद्रनारायण पाणिः (उडीसा)ः उपसभापति जी, मैं सबंद्व करता हूं।

Concern over adverse effects of trans fat present in food items "

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश)ः आदरणीय उपसभापति जी, भोजन का दीर्घायु से सीधा संबंध है। जाने- अनजाने हमारे भोजन में ऎसे तत्व बढ़ रहे है, जो ज़हर तो नहीं कहे जा सकते, किन्तु उनका अधिक मात्रा में उपभोग ज़हर का ही काम करता है। यहां मैं परा वसा का उल्लेख करना चाहती हूं। यह वसा कृत्रिम रूप से तैयार की जाती है, ऊंचे तापमान पर हाइड्रोजन अणुओं वनस्पति तेलों में मिलाने पर यह बनती है। इससे हर प्रकार का भोजन मिठाई, पराठा, पुलाव, पूडी, डोसा, समोसा, नमकीन बनाए जा सकते है। यह बार-बार प्रयोग की जा सकती है और देश के हर प्रदेश